No. of Printed Pages : 12

MTT–031

P.G. CERTIFICATE IN TRANSLATION AND ADAPTATION (PGCAR)

Term-End Examination

June, 2024

MTT-031 : VARIOUS DIMENSIONS OF TRANSLATION AND ADAPTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt* ***three*** *questions from Nos.* ***1*** *to* ***6****. Q. No.* ***7*** *to* ***8*** *are compulsory. Answer long answered questions (****1*** *to* ***6****) in about* ***700*** *words and short notes in about* ***350*** *words each. All questions carry equal marks.*

1. Illuminate the importance of translation in various domains.

2. Discuss the process and importance of vetting.

3. Examine various dimensions of creative literature and translation.

4. Describe the context of adaptation in translation.

5. Review the interrelation among global media industry, adaptation and Indian market.

6. Give a detailed account of the meaning and importance of Copyright.

7. Write short notes on any *two* of the following :

   (a) Limited perspective of translation

   (b) Rewriting and New writing

   (c) Question of fidelity in translation

   (d) Intermedial Translation

8. (a) Translate any *one* of the following given passages into Hindi :

   Those little green lights that I used to see, twinkling away them, I was sure. After dark we see or hear many things that seem mysterious, irrational and then by the clear light of day we find that the magic, the mystery has an explanation after all.

   But I did see those lights occasionally-late at night, when I walked home from town to my little cottage at the edge of the forest. They moved too fast for them to be torches or lanterns carried by people. And as there were no roads on Pari Tibba, they could not have been cycle or cart lamps. Someone told me there was phosphorus in the rocks, and that this probably accounted for the

luminous glow emanating from the hillside late at night. Possibly, but I was not convinced. My encounter with the little people happened by the light of day.

One morning, early in April, purely on an impulse I decided to climb to the top of Pari Tibba and look around for myself. It was springtime in the Himalayan foothills.

Or

The house in Berlin was enormous, and even though he'd lived there for nine years he was still able to find nooks and crannies that he hadn't fully finished exploring yet. There were even whole rooms - such as father's office, which was out of bounds at all Times and no exceptions - that he had barely been inside. However, the new house had only three floors : a top floor where all three bedrooms were and only one bathroom, a ground floor with a kitchen, a dining room and a new office for Father (which, he presumed, had the same restrictions as the old one), and a basement where the servants slept.

All around the house in Berlin were other streets of large houses, and when you walked towards the centre of town there were always people strolling along and stopping to chat to each other or rushing around and saying they had no time to stop, not today, not when they had a hundred and one things to do. There were

shops with bright store fronts, and fruit and vegetable stalls with big trays piled high with cabbages, carrots, cauliflowers and corn.

(b) Translate any *one* of the following given passages into English :

अन्त में धीरे-धीरे मेरी घबराहट कुछ कम हुई और मैंने उस दैत्य से बात करने का निश्चय किया। आसमान की ओर आँखें उठाकर और हाथ बाँधकर मैंने बहुत ही विनम्रता से उससे प्रार्थना की कि मुझे नीचे उतार दो। एक क्षण के लिए तो मुझे डर लगा कि कहीं यह नाराज होकर जमीन पर न पटक दे। लेकिन इस समय मेरे भाग्य ने मेरा साथ दिया। नाराज होने के बजाय वह आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगा। लेकिन मेरी कोई बात उसकी समझ में नहीं आई।

इधर उसकी फौलादी पकड़ के कारण मेरी जान निकल रही थी। बहुत कोशिश करके भी मैं उसे अपनी बात नहीं समझा सका, तो मेरी आँखों में आँसू आ गए। मैं धीरे-धोरे सिसकने और आँसू बहाने लगा। उसकी उँगली और अँगूठे पर सिर पटक-पटककर मैं उसे बताने लगा कि मुझे बहुत दर्द हो रहा है।

शायद उसने मेरी बात समझ ली, क्योंकि मुझे आहिस्ते से उसने अपने कोट की जेब में रख लिया। फिर भागता हुआ अपने मालिक के पास पहुँचा। उसका मालिक वही था जिसे मैंने समुद्र के किनारे देखा। उसने पास ही खड़ी घास से एक तिनका तोड़ा।

अथवा

भीड़ बहुत थी। सोचा इसलिए गलतफहमी हुई होगी। या इसलिए कि फरवरी की हवा में वसन्त की हल्की ताजगी महसूस हो रही थी। जाने कैसे! यों तो सिवाय गर्मी और बरसात के इस शहर में मौसम का पता ही नहीं चलता । आसमान बादलों से न घिरा हो तो हल्का सलेटी बना रहता है । बरसों के इस्तेमाल से उड़ा-उड़ा फीका-फीका सा एक रंग नजर आता है। हवा चलती है, तो खूब तेज चलती है, नहीं चलती, तो नहीं ही चलती - समुद्र के ज्वार भाटे का-सा अन्दाज रहता है उसका। दिन और रात में भी ज्यादा फर्क नहीं होता- सिवाय अँधेरे और रोशनी के। जहाँ दिन में अंधेरा रहता है, वहाँ रात को रोशनी हो जाती है, जहाँ दिन में रोशनी रहती है, वहाँ रात को अंधेरा हो जाता है। खाना न इस मौसम में पचता है न

उस मौसम में। मगर फरवरी की वह शाम अपने में कुछ अलग-सी थी। हवा में वसन्त का हल्का आभास जरूर था और पश्चिम का आकाश भी और दिनों से सुन्दर लग रहा था। साढ़े सात बजते-बजते भूख भी लग आयी थी। मैं राह चलते लोगों को देख रहा था और व्हेल मछलियों की बात सोच रहा था। मन हो रहा था कि कहीं अच्छी करारी मूँगफली मिल जाए, तो पाँच पैसे की ले ली जाए।

MTT–031

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र

(पी. जी. सी. ए. आर.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.टी.टी.-031 : अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **7** और **8** अनिवार्य है। दीर्घ उत्तरीय (प्रश्न **1** से **6**) के उत्तर लगभग **700** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए तथा संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. अनुवाद पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं महत्व की चर्चा कीजिए।

3. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद के विविध आयामों की विवेचना कीजिए।

4. अनुवाद में रूपांतरण क संदर्भ का वर्णन कीजिए।

5. वैश्विक मीडिया उद्योग, रूपांतरण और भारतीय बाजार के अंतर्संबंध की समीक्षा कीजिए।

6. प्रतिलिप्यधिकार के अर्थ और महत्व पर विस्तृत लेख लिखिए विवरण दीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **350** शब्दों में (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   (क) अनुवाद का सीमित संदर्भ

   (ख) पुनसंजन और नवलेखन

   (ग) अनुवाद में निष्ठा का प्रश्न

   (घ) अंतरमाध्यम अनुवाद

8. (अ) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

   Those little green lights that I used to see, twinkling away them, I was sure. After dark we see or hear many things that seem mysterious, irrational and then by the clear light of day we find that the magic, the mystery has an explanation after all.

But I did see those lights occasionally-late at night, when I walked home from town to my little cottage at the edge of the forest. They moved too fast for them to be torches or lanterns carried by people. And as there were no roads on Pari Tibba, they could not have been cycle or cart lamps. Someone told me there was phosphorus in the rocks, and that this probably accounted for the luminous glow emanating from the hillside late at night. Possibly, but I was not convinced. My encounter with the little people happened by the light of day.

One morning, early in April, purely on an impulse I decided to climb to the top of Pari Tibba and look around for myself. It was springtime in the Himalayan foothills.

Or

The house in Berlin was enormous, and even though he'd lived there for nine years he was still able to find nooks and crannies that he hadn't fully finished exploring yet. There were even whole rooms - such as father's office, which was out of bounds at all Times and no exceptions - that he had barely been inside. However, the new house had only three floors : a top floor where all three bedrooms were and only one bathroom, a ground floor with a kitchen, a dining room and a new office for Father (which, he presumed, had the same

restrictions as the old one), and a basement where the servants slept.

All around the house in Berlin were other streets of large houses, and when you walked towards the centre of town there were always people strolling along and stopping to chat to each other or rushing around and saying they had no time to stop, not today, not when they had a hundred and one things to do. There were shops with bright store fronts, and fruit and vegetable stalls with big trays piled high with cabbages, carrots, cauliflowers and corn.

(b) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

अन्त में धीरे-धीरे मेरी घबराहट कुछ कम हुई और मैंने उस दैत्य से बात करने का निश्चय किया। आसमान की ओर आँखें उठाकर और हाथ बाँधकर मैंने बहुत ही विनम्रता से उससे प्रार्थना की कि मुझे नीचे उतार दो। एक क्षण के लिए तो मुझे डर लगा कि कहीं यह नाराज होकर जमीन पर न पटक दे। लेकिन इस समय मरे भाग्य ने मेरा साथ दिया। नाराज होने के बजाय वह आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगा। लेकिन मेरी कोई बात उसकी समझ में नहीं आई।

इधर उसकी फौलादी पकड़ के कारण मेरी जान निकल रही थी। बहुत कोशिश करके भी मैं उसे अपनी बात नहीं समझा सका, तो मेरी आँखों मं आँसू आ गए। मैं धीरे-धीरे सिसकने और आँसू बहाने लगा। उसकी उँगली और अँगूठे पर सिर पटक-पटककर मैं उसे बताने लगा कि मुझे बहुत दर्द हो रहा है।

शायद उसने मेरी बात समझ ली, क्योंकि मुझे आहिस्ते से उसने अपने कोट की जेब में रख लिया। फिर भागता हुआ अपने मालिक के पास पहुँचा। उसका मालिक वही था जिसे मैंने समुद्र के किनारे देखा। उसने पास ही खड़ी घास से एक तिनका तोड़ा।

अथवा

भीड़ बहुत थी। सोचा इसलिए गलतफहमी हुई होगी। या इसलिए कि फरवरी की हवा में वसन्त की हल्की ताजगी महसूस हो रही थी। जाने कैसे! यों तो सिवाय गर्मी और बरसात के इस शहर में मौसम का पता ही नहीं चलता । आसमान बादलों से न घिरा हो तो हल्का सलेटी बना रहता है । बरसों के इस्तेमाल से उड़ा-उड़ा फीका-फीका सा एक रंग नजर आता है। हवा चलती है, तो खूब

तेज चलती है, नहीं चलती, तो नहीं ही चलती – समद्र के ज्वार भाटे का–सा अन्दाज रहता है उसका। दिन और रात में भी ज्यादा फर्क नहीं होता– सिवाय अँधेरे और रोशनी के। जहाँ दिन में अंधेरा रहता है, वहाँ रात को रोशनी हो जाती है, जहाँ दिन में रोशनी रहती है, वहाँ रात को अंधेरा हो जाता है। खाना न इस मौसम में पचता है न उस मौसम में। मगर फरवरी की वह शाम अपने में कुछ अलग–सी थी। हवा में वसन्त का हल्का आभास जरूर था और पश्चिम का आकाश भी और दिनों से सुन्दर लग रहा था। साढ़े सात बजते–बजते भूख भी लग आयी थी। मैं राह चलते लोगों को देख रहा था और व्हेल मछलियों की बात सोच रहा था। मन हा रहा था कि कहीं अच्छी करारी मूँगफली मिल जाए, तो पाँच पैसे की ले ली जाए।